RAJARSHI CHHATRAPATI SHAHU COLLEGE KOLHAPUR

राजर्षि छत्रपति शाहू कॉलेज, कोल्हापुर

हिंदी विभाग

सामुहिक चर्चा अहवाल

राजर्षि छत्रपति शाहू कॉलेज, कोल्हापुर के हिंदी विभाग द्वारा शुक्रवार दो जुलाई को सामुहिक चर्चा (group discussion)संपन्न हुई थी। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ.एस.टी.सांलुखे जी के प्रोत्साहन से समारोह का आयोजन किया गया। प्रस्तुत सामुहिक चर्चा द्वारा छात्रों को वर्तमानकालीन समाज के बदलते रूप के बारे में अवगत कराने का उद्देश्य था। इसी उद्देश्य के कारण सामुहिक चर्चा का विषय **कोरोना में बदलता समाज** रखा गया।

सामूहिक चर्चा के आरंभ में प्रा. डॉ. नेहा देसाईजी ने हिंदी विभागाध्यक्ष प्रा. डॉ. आर. सी. पाटील जी से उपर्युक्त विषय पर मंतव्य व्यक्त करने कि बिनती की । प्रा. डॉ. आर. सी. पाटील जी ने कोरोना में बदलता समाज विषय के प्रमुख परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित किया। कोरोना संकट के बीच में समाज को देखने के नजरिये के बारे में नये तरीके से सोचने का मौका मिला इसे स्पष्ट करते हुए कोरोना काल में मोबाईल कंपनियों, इंटरनेट के माध्यम सेवाएँ प्रदान करनेवाली कंपनियाँ और स्वास्थ संबंधित सभी कंपनियाँ मुनाफे में आ गई है। लेकिन वर्तमानाल के समाज में बेरोजगारी की समस्या पर्यटन व्यवसाय की ताला बंदी, शिक्षा व्यवस्था एवं पढ़ाई पर विपरित परिणाम आदि के असर दर्शाये है। सामाजिक स्वास्य का प्रमुख हिस्सा पारिवारिक सामंजस्य डगमगाने लगा है परिणामस्वरूप समाज का प्रमुख अंग परिवार भी विघटन का सामना कर रहा है। वर्तमान काल की आर्थिक तनाव पुर्ण परिस्थितिया और बेरोजगारी के कारण परिवार में तनाव बढ़ रहा है । इसका सीधा असर पति-पत्नी के बीच तनावपूर्ण स्थितियों को बढ़ावा दे रहा है। इन सभी समस्याओं में मनुष्य रुका नहीं है जीना चाहता है यह महत्वपूर्ण संदेश प्रा. डॉ. पाटील जी ने दिया ।

स्मिता शिंदे ने ग्रामीण क्षेत्र में इंटरनेट और आरोग्य सुविधाओं के अभाव की ओर लक्ष केंद्रित किया। इसी के साथ समाज शारीरिक स्वास्थ के बारे में जागृत होकर अधिक से अधिक लोग कसरत, योगा करने की ओर बढ़ जाने को अधोरेखित किया। ऐश्वर्या भंडारी ने कोरोना कालीन समाज में स्वच्छता के प्रति बढ़ती दिलचस्पी को उजागर किया है । स्वप्निल ने महाविद्यालय एंव मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध हो जाने की आशाए व्यक्त की है। कोरोना के कारण बेरोजगारी की ओर ध्यान आकर्षित किया। विकास भोसले , शामल पाटील, अमृता और वडगावे आदि छात्रों ने भी कोरोना के साथ समाज के बदलते तेवर पर चर्चा की। नीता साठे जी ने शिक्षा व्यवस्था की ऑनलाईन पद्धति के असर पर चर्चा कि है साथ ही साथ शिक्षा पद्धति में विद्यालय महाविद्यालयों में प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन परिणामकारक होने के विचार व्यक्त किए हैं।

प्रा. डॉ. नेहा देसाई जी ने कोरोना में बदलता समाज विषय के हर एक पहलू को छूने की कोशिश की है। पुलिस और सफाई कर्मचारियों का उचित सम्मान, बढ़ती सुविधाएँ पर्यावरण का संतुलन शादी और धार्मिक समारोह में भींड की अनावश्यकता कृषि क्षेत्र की ओर बढ़ता युवावर्ग आदि समाज-सुधार के प्रयोजनों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। कोरोना के समय समाज का एक हिस्सा मजदूर बिना कुछ जाने मरने से पूर्व अपनी जड़ो की ओर लौटने कि दर्दनाक दास्तान और विस्थापन कि समस्याओं को अधोरेखित किया है।

समारोह के अंतिम संपन्नता के पड़ाव में स्मिता शिंदे ने आभार व्यक्त किया। सामुहिक चर्चा के आयोजन के लिए महाविद्‍यालय के प्रधानाचार्य डॉ.एस.टी.सांलुखे , प्रा.डॉ. आर.सी. पाटील, प्रा. डॉ. नेहा देसाई और प्रा. निता साठे जी का आभार व्यक्त किया। साथ हि साथ चर्चा सत्र में प्रतिभागी छात्रों का भी आभार व्यक्त करते हुए सामूहिक चर्चा की संपन्नता घोषित की।

हिंदी विभागाध्यक्ष
Head
Department of Hindi
डॉ. आर.सी. पाटील
Rajarshi Chh. Shahu College, Kolhapur

Principal,
Rajarshi Chh. Shahu College
Kolhapur.

RAJARSHI CHHATRAPATI SHAHU COLLEGE * KOLHAPUR

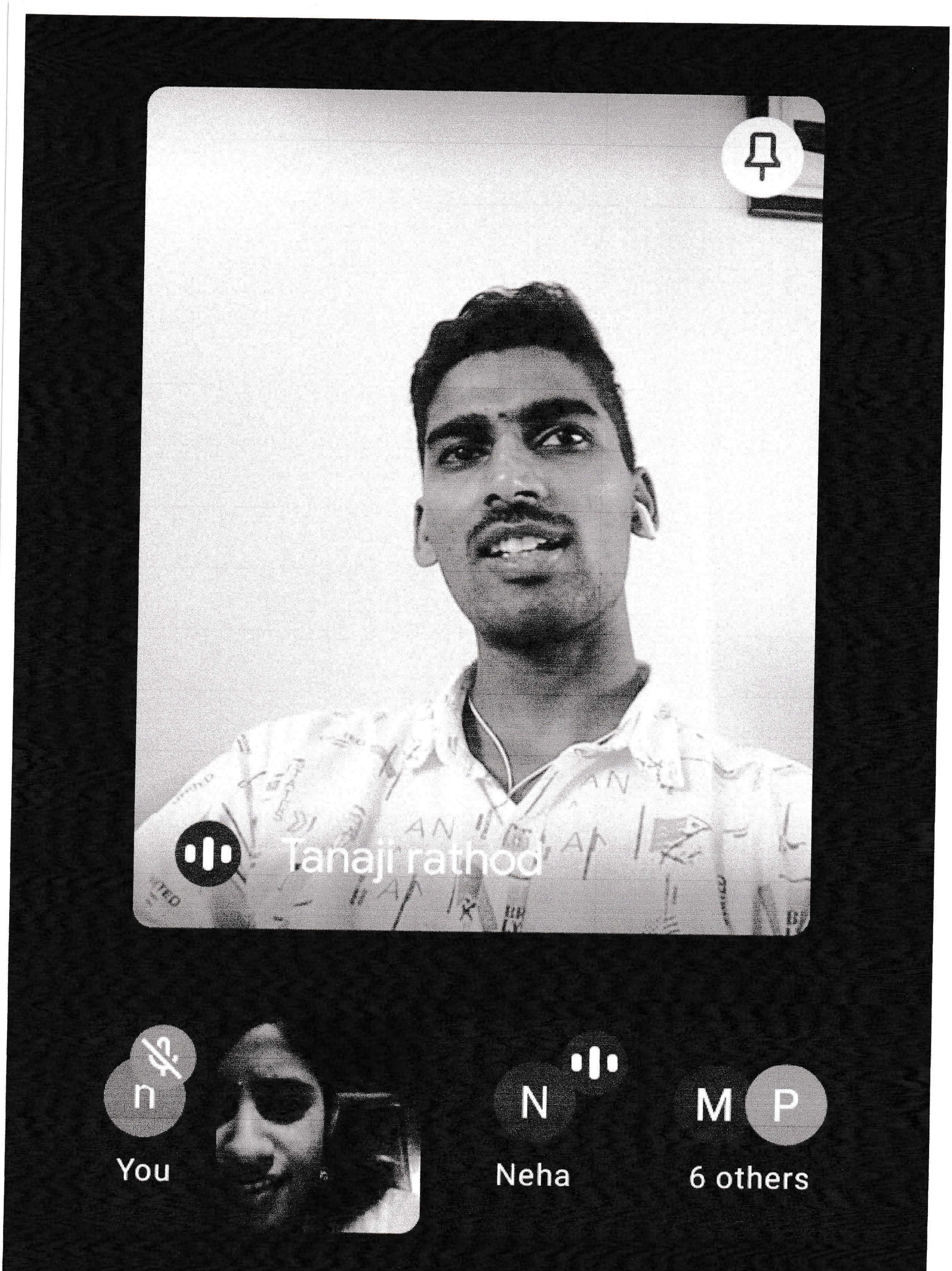
Tanaji rathod
n
You
N
Neha
M
P
6 others

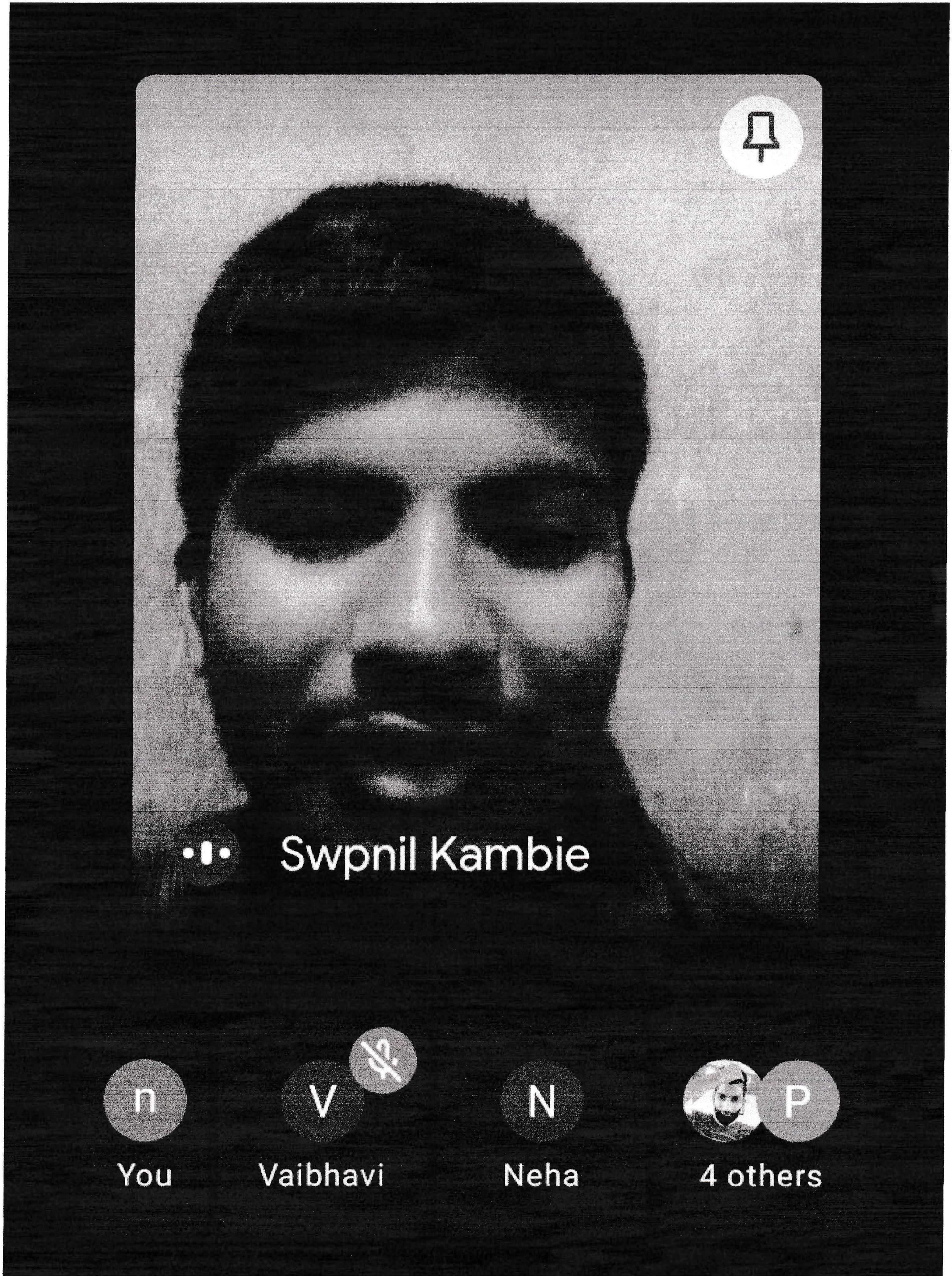
Swpnil Kambie
n
V
N
P
You
Vaibhavi
Neha
4 others

People Information

IN CALL

neeta sathe (You)

Aishwarya Bhandare

Gopika Ilake

Manjula Koli

Neha Desai

Pratiksha Pise

RAVINDRA PATIL

Swpnil Kambie